24 न्यूज अपडेट

ई-न्यूज

WebSite.: https://24newsupdate.in

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

उदयपुर, सोमवार 16 मार्च 2026

वर्ष 2 अंक 299

तीन राज्यों की राज्यसभा सीटों के लिए मतदान, बिहार में एनडीए ने पांचों सीटें जीतीं

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने सभी पांचों सीटों पर जीत दर्ज की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। चुनाव में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। बिहार में मतदान के दौरान एनडीए के सभी 202 विधायकों ने वोट डाले, जबकि महागठबंधन के 37 विधायकों ने मतदान किया। कांग्रेस के तीन और राष्ट्रीय जनता दल के एक विधायक मतदान से अनुपस्थित रहे। हरियाणा में दो सीटों के लिए मतदान के दौरान दो कांग्रेस विधायकों के वोटों पर आपत्ति के कारण मतगणना रोक दी गई। भाजपा के प्रतिनिधियों ने इन वोटों पर आपत्ति जताई, जबकि कांग्रेस ने भी एक मंत्री के वोट पर सवाल उठाया। राज्य में कुल 90 में से 88 विधायकों ने मतदान किया, जबकि इंडियन नेशनल लोकदल के दोनों विधायक मतदान से दूर रहे। ओडिशा में चार सीटों के लिए मतदान हुआ, जहां मतगणना जारी है। मतदान के दौरान विधानसभा में कुछ विधायकों के बीच विवाद और धक्का-मुक्की की भी सूचना मिली। चुनाव के दौरान कुछ स्थानों पर क्रॉस वोटिंग की चर्चा भी रही। विभिन्न दलों के नेताओं ने चुनाव प्रक्रिया और परिणामों को लेकर अपने-अपने दावे किए। इस चुनाव के बाद राज्यसभा में एनडीए की सीटों में बढ़ोतरी होने की संभावना जताई जा रही है।

थोक महंगाई 12 महीने में सबसे ज्यादा: फरवरी में ये 2.13% पर पहुंची, खाने-पीने की चीजें और रोजाना जरूरत का सामान महंगा हुआ

24 न्यूज अपडेट

फरवरी में थोक महंगाई (WPI) बढ़कर 2.13% पर पहुंच गई है। ये महंगाई का 12 महीने का हाई लेवल है। फरवरी 2025 में ये 2.38% पर पहुंच गई थी।

इससे पहले जनवरी 2026 में थोक महंगाई 1.81% पर थी। वहीं दिसंबर में थोक महंगाई 0.83% पर थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 16 मार्च को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग लंबी चली तो कच्चे तेल के दाम 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकते हैं।

इससे पेट्रोल-डीजल महंगा हो सकता है, जिससे माल ढुलाई का खर्च बढ़ेगा और फल-सब्जी समेत हर जरूरी सामान की कीमतें बढ़ जाएंगी।

आरएसएस के क्षेत्र संघचालक बोले, पांच संतान भी चलेंगी : डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेशचंद्र अग्रवाल ने कहा कि समाज में जनसंख्या संतुलन बनाए रखने के लिए एक परिवार में न्यूनतम तीन संतान होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत भी विभिन्न मंचों से इस विषय को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ स्पष्ट कर चुके हैं। सोमवार को सेवा सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. अग्रवाल ने कहा कि हिंदू समाज की जनसंख्या में लगातार गिरावट देखी जा रही है। यदि परिवारों में कम से कम तीन संतान होंगी तो जनसंख्या असंतुलन से उत्पन्न होने वाली कई समस्याओं का समाधान स्वतः हो जाएगा। उन्होंने कहा कि तीन ही नहीं, चार या पांच संतान भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि संघ को जातिगत जनगणना से आपत्ति नहीं है। अच्छे शासन और प्रभावी योजनाओं के लिए यदि जातिगत जनगणना की जाती है तो यह स्वीकार्य है, लेकिन इसके नाम पर समाज को बांटने का प्रयास किया जाएगा तो संघ उसका विरोध करेगा। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में संगठनात्मक विस्तार पर भी निर्णय लिए गए हैं। राजस्थान में वर्तमान में जयपुर, जोधपुर और चित्तौड़गढ़ तीन प्रांत हैं, जिन्हें अब संभाग कहा जाएगा। साथ ही कोटा और बीकानेर दो नए संभाग बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राजस्थान में संघ का संगठनात्मक कार्य लगातार बढ़ रहा है। वर्तमान में प्रदेश के लगभग 7,910 स्थानों पर कार्य संचालित हो रहा है, जहां 12,109 शाखाएं और 5,950 मिलन चल रहे हैं।

'घर में रसोई गैस खत्म, इंडक्शन भी नहीं मिल रहा': 400 से 500% बढ़ी डिमांड

24 न्यूज अपडेट

इजराइल-ईरान जंग का देश में LPG सिलेंडर की सप्लाई पर असर पड़ा है। LPG सिलेंडर की कमी के बीच इंडक्शन कुकर की डिमांड अचानक कई गुना बढ़ गई है। हालत ये है कि कई इलेक्ट्रॉनिक्स दुकानों में इंडक्शन स्टोव का स्टॉक खत्म हो चुका है। कंपनियों के लिए भी डिमांड पूरी करना मुश्किल हो रहा है।

इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर्स के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों में इंडक्शन कुकर की बिक्री में 400 से 500% का इजाफा हुआ है। बाजार के जानकारों का कहना है कि इंडक्शन बनाने में इस्तेमाल होने वाला ज्यादातर कच्चा माल चीन से आता है। इसलिए नई सप्लाई आने में करीब 45 दिन का वक्त लग सकता है। ऐसे में कंपनियों के लिए प्रोडक्शन बनाए रखना मुश्किल हो रहा है। भोपाल के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजारों में इंडक्शन स्टोव खरीदने वालों की भीड़ बढ़ गई है। LPG सिलेंडर की सप्लाई को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण कई परिवार एहतियात के तौर पर इंडक्शन खरीद रहे हैं। इसकी डिमांड जानने के लिए हम सबसे पहले बाजार पहुंचे। यहां मिली नुसरत कहती हैं, 'हमारा परिवार बड़ा है, इसलिए एक साथ तीन इंडक्शन खरीद रही हूं। सिलेंडर के साथ-साथ इंडक्शन के दाम भी बढ़ गए हैं। पिछले महीने जो इंडक्शन 2200 रुपए में मिल रहा था। अब वही करीब 3000 रुपए का हो गया है। लगता है आने वाले दिनों में दाम और बढ़ेंगे।'

सेंसेक्स 938 अंक चढ़कर 75,502 पर बंद हुआ: निफ्टी भी 257 अंक चढ़ा, ऑटो और प्राइवेट बैंक शेयर्स में सबसे ज्यादा तेजी रही

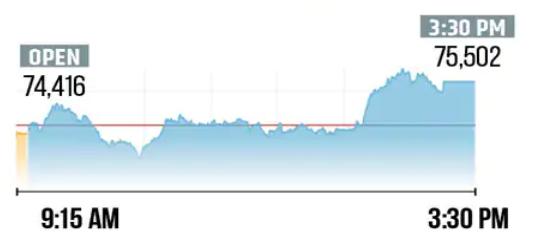

24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी 16 मार्च को तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 938 अंक की तेजी के साथ 75,502 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 257 अंक की तेजी रही, ये 23,408 के स्तर पर बंद हुआ। ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

IDBI बैंक के शेयर में 15.87 रुपए (17.22%) की गिरावट रही। इसका शेयर 76.31 रुपए पर आ गया है। बाजार में ऐसी खबरें आ रही हैं कि सरकार इस बैंक में अपनी ज्यादातर हिस्सेदारी बेचने का प्लान रद्द कर सकती है। इसी वजह से निवेशकों में डर दिखा और शेयरों में बिकवाली बढ़ गई।

दिल्ली में पुल निर्माण कार्य के चलते ट्रेनों का रूट बदला, उदयपुर–ऋषिकेश ट्रेनें 17 मार्च को दिल्ली स्टेशन पर नहीं रुकेंगी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर से दिल्ली और हरिद्वार की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए आने वाला सप्ताह थोड़ा मुश्किल भरा हो सकता है। दिल्ली और शाहदरा स्टेशनों के बीच यमुना नदी पर बने पुराने लोहे के पुल की जगह नए ब्रिज (संख्या 249) का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। इस बड़े प्रोजेक्ट और तकनीकी ब्लॉक के कारण उत्तर रेलवे ने उदयपुर से जुड़ी कुछ मुख्य ट्रेनों के रूट में अस्थायी बदलाव किया है। फिलहाल यह बदलाव 1 से 2 दिनों के लिए किया गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये ट्रेनें 17 मार्च को अपने निर्धारित स्टॉपेज यानी दिल्ली मुख्य स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। ऐसे में जो यात्री दिल्ली उतरने की योजना बना रहे थे, उन्हें अपनी यात्रा की योजना दोबारा देखनी पड़ सकती है। उदयपुर की इन दो प्रमुख ट्रेनों पर पड़ेगा असर उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि इस निर्माण कार्य की वजह से उदयपुर सिटी से ऋषिकेश जाने वाली और वहां से लौटने वाली ट्रेनों पर सीधा असर पड़ेगा। 17 मार्च को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करने वाली गाड़ी संख्या 09609 (उदयपुर सिटी–योगनगरी ऋषिकेश) अपने नियमित मार्ग के बजाय अब दिल्ली कैंट–दिल्ली सराय–नई दिल्ली–तिलक ब्रिज–साहिबाबाद होकर संचालित होगी। इस बदलाव के कारण यह ट्रेन दिल्ली मुख्य स्टेशन पर नहीं रुकेगी। इसी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 19610 (योगनगरी ऋषिकेश–उदयपुर सिटी) जो 17 मार्च को ऋषिकेश से रवाना होगी, वह भी बदले हुए रूट से आएगी। यह ट्रेन नोली–दिल्ली शाहदरा–तिलक ब्रिज–नई दिल्ली–दिल्ली सराय–दिल्ली कैंट होकर संचालित होगी।

रूट बदलने के कारण यह ट्रेन दिल्ली शाहदरा और दिल्ली मुख्य स्टेशनों पर नहीं रुकेगी। उदयपुर लौटने वाले यात्रियों को इन स्टेशनों के बजाय वैकल्पिक स्टेशनों पर उतरना होगा।

अन्य शहरों की ट्रेनों पर भी असर

उदयपुर के अलावा अजमेर (दौराई), साबरमती और जोधपुर (भगत की कोठी) से दिल्ली होकर जाने वाली कुछ ट्रेनों को भी डायवर्ट किया गया है। रेलवे ने पुल निर्माण और इंटरलॉकिंग कार्य के चलते यह ब्लॉक लिया है।

सोना 2,685 गिरकर 1.56 लाख पर आया: चांदी दो दिन में 20 हजार सस्ती होकर 2.48 लाख पर आई, ईरान जंग का असर

24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी में आज लगातार दूसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,685 रुपए गिरकर 1.56 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 13 मार्च को सोना 1.58 लाख रुपए प्रति 10G था।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 11,777 रुपए घटकर 2.48 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना दो कारोबारी दिन में 4,589 और चांदी 19,590 सस्ती हुई है। इससे पहले 12 मार्च को सोना 1.60 लाख और चांदी 2.68 लाख पर थी।

बारिश और ओलों से 18 को बदलेगा मौसम, 19 को उदयपुर में येलो अलर्ट

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान में दो दिन हुई बारिश और ओलावृष्टि के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। कई शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे पहुंच गया, जबकि रात के तापमान में भी कमी आने से ठंडक बढ़ गई है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार 17 मार्च को मौसम साफ रहने की संभावना है, जबकि 18 मार्च से एक मजबूत मौसम तंत्र सक्रिय होगा। इसका असर 20 मार्च तक रहने की संभावना है। इस दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाने, हल्की बारिश, तेज हवा और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हो सकती है। 18 मार्च को आठ जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। सोमवार को पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान में हल्के बादल छाए रहे। गंगानगर में अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री और हनुमानगढ़ में 24.2 डिग्री दर्ज हुआ। इसके अलावा चूरू और बीकानेर में 32.8 डिग्री, उदयपुर और जैसलमेर में 34.8 डिग्री, जालोर में 35.5 डिग्री, जोधपुर में 36 डिग्री, कोटा में 36.3 डिग्री और बाड़मेर व चित्तौड़गढ़ में 38.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। बारिश का असर न्यूनतम तापमान पर भी देखा गया। फतेहपुर में सबसे कम 11.7 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। नागौर में 13.2 डिग्री, गंगानगर में 14 डिग्री, अलवर में 15.2 डिग्री, बारां में 15.3 डिग्री, सीकर में 15.5 डिग्री और चूरू में 15.9 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। उदयपुर में 17.8 डिग्री और जैसलमेर में 18.5 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने 19 मार्च को जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, जालोर, पाली, बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, अलवर, दौसा, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, अजमेर, नागौर, टोंक, भीलवाड़ा, बूंदी, राजसमंद, उदयपुर और सिरोही जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

संपादकीय : जंग की आग

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद युद्ध में अब जो तौर-तरीके अपनाए जाने की खबरें आ रही हैं उससे यह चिंता गहराने लगी है कि इसका असर किस रूप में सामने आएगा। हैरानी की बात यह है कि दुनिया भर में परमाणु या व्यापक विनाश के हथियारों और अन्य मसलों की अपनी सुविधा के मुताबिक व्याख्या करने वाला अमेरिका खुद कई बार सारे तकाजों के खिलाफ जाकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति भी उपेक्षा भाव प्रदर्शित करता है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर मिसाइल दागे जा रहे हैं और व्यापक पैमाने पर जानमाल की क्षति हो रही है, लेकिन अमेरिका और इजराइल के साझा हमले में कई ऐसे ठिकानों पर भी बमबारी की गई, जिसके पर्यावरणीय और मानवीयता पर असर को लेकर दुनिया भर में सवाल उठे हैं। मसलन, प्रतिद्वंद्विता के क्रम में या ईरान को झुकाने के लक्ष्य से वहां एक स्कूल पर हमले के अलावा कई शहरों में तेल ठिकानों पर मिसाइल दागे गए। उससे बाद वहां जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उसका असर दीर्घकालिक होगा और इसकी मार सिर्फ आम लोगों को झेलनी होगी। एक ओर विश्व भर में यह उम्मीद की जा रही है कि इस युद्ध की वजह से तेल और गैस के साथ-साथ अन्य कई मोर्चों पर व्यापक संकट गहराने के मद्देनजर शांति की राह खोजी जाएगी, दूसरी ओर खबर यह आई कि अमेरिका ने शनिवार को ईरान के खर्ग द्वीप पर हमला करके मसले को और जटिल स्वरूप दे दिया। हालांकि अमेरिका का कहना है कि उसने केवल सैन्य ठिकानों पर हमला किया और तेल ढांचों को निशाना नहीं बनाया। मगर खर्ग द्वीप को जिस तरह ईरान के सबसे बड़े तेल भंडार और नब्बे फीसद कच्चे तेल के निर्यात के केंद्र के रूप में जाना जाता है, उसमें कहना कठिन है कि हमलों का असर सीमित होगा। अगर हमलों की जद में तेल भंडार भी आए, तो उसके नतीजों की कल्पना की जा सकती है। फिर इस पर ईरान की प्रतिक्रिया क्या होगी, खाड़ी देशों में स्थित तेल रिफाइनरियों पर कैसा खतरा पैदा होगा, कहना मुश्किल है। इस क्रम में बड़े पैमाने पर तेल ठिकाने नष्ट होते हैं, तो आने वाले वक्त में दुनिया भर में संकट गहराएगा। युद्ध की चरम अवस्था में भी यह उम्मीद की जाती है। कि इसमें शामिल देश सेवयं की स्थिति में तय किए गए नियम-कायदों और मानवीयता का खयाल रखेंगे। मगर हालत यह है कि इस संबंध में मानवीय प्रश्नों की तो दूर, युद्ध को लेकर बने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बिना किसी हिचक के धता बताया जा रहा है। विश्व भर में इसे लेकर चिंता जताई जा रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले की निंदा कर चुके हैं। रूस भी कह चुका है कि हम जिस अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करते हैं, वह लगभग खत्म हो चुका है। इसके अलावा, तेल ठिकानों पर हमले के बाद बहुत बड़े दायरे में जो पर्यावरणीय प्रभाव सामने आ रहे हैं, उसका खमियाजा आखिर कौन भुगतेगा ? खबर यह भी आई कि अमेरिका और इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान के आसमान से काली स्याही जैसा तरल बरस रहा है। अंधाधुंध हमलों के बाद युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में आम लोगों की जिंदगी जिस हालत में पहुंच गई है और मानवीयता के सभी तकाजे दरकिनार किए जा रहे हैं, वह सबके लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

गंगा का जीवन

गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए वर्षों से प्रयास चल रहा है। इसके लिए भारी- भरकम बजट भी आबंटित किए गए। मगर सकारात्मक नतीजे कभी सामने नहीं आए। गंगा कार्ययोजना में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने पर करीब दशक भर पहले केंद्र सरकार ने बहुआयामी कार्यक्रम 'नमामि गंगे' की शुरुआत की थी। प्रारंभिक दौर में इसमें प्रगति भी दिखी थी और उम्मीद बंधी थी कि वर्षों से मैली हो रही गंगा धीरे-धीरे ही सही, लेकिन अब स्वच्छ हो जाएगी। निराशा की बात है कि 'नमामि गंगे' भी सही दिशा में नहीं बढ़ पाई। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) की ताजा रपट से उन सभी लोगों को मायूसी हुई है जो गंगा के निर्मल होने का इंतजार कर रहे थे । उत्तराखंड के बजट सत्र में पेश की गई कैग की रपट बताती है कि 'नमामि गंगे' कार्यक्रम क्रियान्वयन एजेंसियों की विफलता के कारण वांछित नतीजे नहीं दे पाया। गौरतलब है कि इसके लिए केंद्र ने एक हजार करोड़ की राशि मुहैया कराई थी। यह दुखद ही है कि गंगा कार्ययोजना की असफलता से नमामि गंगे से जुड़ी एजंसियों ने कोई सबक नहीं लिया । इस कार्यक्रम में खामियां ठीक वैसी ही थीं, जैसी पिछली योजना में थी। 'नमामि गंगे' अपेक्षित परिणाम देने में क्यों विफल रही, इसे न केवल केंद्र को, बल्कि इस कार्यक्रम से जुड़े विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों को गंभीरता से लेना होगा। इस परियोजना में नाकामी न केवल बड़ा आर्थिक नुकसान है, बल्कि उन सभी संकल्पों पर भी आघात है, जिनमें लोगों की यह इच्छा शामिल थी कि गंगा स्वच्छ और अविरल हो। मगर ऐसा इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि इसमें कई स्तरों पर लापरवाही बरती गई। हैरत की बात है कि गंगा की छोटी जलधाराओं के पास कूड़ा फेंके जाने से लेकर स्थानीय जरूरतों का आकलन किए बगैर कई तटों पर श्मशान घाट बना दिए गए। कैग ने जो खामियां उजागर की हैं, वह उन अधिकारियों को क्यों नहीं दिखा जो इस कार्यक्रम के अमल के लिए जिम्मेदार थे। अवजल शोधन संयंत्र के दोषपूर्ण डिजाइन में लापरवाही क्यों और किस स्तर पर हुई ? मानदंडों का उल्लंघन करने वालों की अब जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

सात फेरों में सजीं 51 मुस्कानें: सेवा, संवेदना और संस्कारों से दमका दिव्यांग सामूहिक विवाह महोत्सव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ, लियों का गुड़ा में रविवार को मानवता, संवेदना और सामाजिक समरसता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। 45वें दिव्यांग एवं निर्धन निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आए 51 जोड़ों ने वैदिक मंत्रोच्चार और पवित्र अग्नि की साक्षी में सात फेरे लेकर जीवन की नई शुरुआत की। आयोजन मानवता का ऐसा महाकुंभ बन गया, जहां संघर्ष से गुजरे जीवन उम्मीद और आत्मसम्मान की नई रोशनी से जगमगा उठे। 51 जोड़ों में 25 दिव्यांग और 26 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवक-युवतियां शामिल रहे। कोई पैरों से दिव्यांग, कोई दृष्टिबाधित, तो कोई सहारे के साथ चलने वाला—लेकिन जीवन के इस पावन क्षण में सबके चेहरे पर समान खुशी और आत्मविश्वास झलक रहा था। अधिकांश जोड़ों ने संस्थान से निःशुल्क सर्जरी, कृत्रिम अंग, कैलिपर्स और पुनर्वास सेवाएं प्राप्त की थीं, वहीं सिलाई, कंप्यूटर, मोबाइल रिपेयरिंग जैसे कौशल प्रशिक्षण के जरिए आत्मनिर्भरता की राह भी पकड़ी। मानवीय उत्सव में कई प्रेरक जीवन कथाएं भी सामने आईं। उदयपुर के खेमपुरा की मधु भोई, जो बाएं पैर से दिव्यांग हैं, अपने परिवार का सहारा बनकर ब्यूटी पार्लर में कार्य करती हैं। उनका जीवनसाथी बने इंदौर जिले के नौलाना गांव के संतोष लोढ़ा, जो बचपन में लकवे से प्रभावित हुए, लेकिन अब आज शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। इसी तरह मुरैना के राजेश, जो जन्मजात पैरों की विकृति के बावजूद ई-मित्र केंद्र चलाते हैं, भिंड जिले की मूकबधिर राजकुमारी के साथ जीवनबंधन में बंधे।

रविवार सुबह पारंपरिक वाद्ययंत्रों और मंगल ध्वनियों के बीच 51 जोड़ों का स्वागत किया गया। भगवान श्रीनाथजी की पावन छवि के सानिध्य में वैदिक मंत्रों के साथ तोरण और वरमाला की रस्म संपन्न हुई। पुष्पों से सजे मंच पर संस्थान के संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव' और श्रीमती कमला देवी के आशीर्वाद में वर-वधुओं ने जीवनसाथी बनने की स्वीकृति दी। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वंदना अग्रवाल और पलक अग्रवाल की मौजूदगी में गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा के बीच पूरा वातावरण उल्लास से भर उठा। इसके बाद 51 वेदियों पर आचार्यों ने वैदिक विधि से सात फेरे सम्पन्न कराए। देश-विदेश से आए दानदाता, सामाजिक कार्यकर्ता और परिवारजन इस भावनात्मक क्षण के साक्षी बने। नवदंपतियों को नई गृहस्थी की शुरुआत के लिए पलंग, बिस्तर, अलमारी, बर्तन, गैस चूल्हा, डिनर सेट, पंखा और अन्य आवश्यक सामग्री भेंट की गई, वहीं मंगलसूत्र, चूड़ियां, पायल और अन्य आभूषणों से नववधुओं को सम्मानपूर्वक विदा किया गया। शिव-पार्वती और कृष्ण-रुक्मिणी विवाह पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। अंत में प्रतीकात्मक डोली विदाई के साथ जब नववधुएं अपने नए जीवन की ओर रवाना हुईं, तो संस्थान परिवार की आंखें भी नम हो उठीं। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान का उद्देश्य केवल विवाह कराना नहीं, बल्कि दिव्यांगजनों को सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भर जीवन देना है। सेवा और संवेदना से ही एक समरस समाज का निर्माण संभव है। मुख्य अतिथि दर्शना मेहता, यश मेहता, ओम प्रकाश सोनी सहित अनेक दानदाता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि संस्थान अब तक 2510 दिव्यांग और निर्धन युवक-युवतियों का पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करा चुका है, जिनमें से अधिकांश सुखद और आत्मसम्मान से भरा जीवन जी रहे हैं।

25 साल से थाने में खाना बनाने वाली महिला के बेटे की शादी में पुलिस ने भरा 1.11 लाख का मायरा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के प्रतापनगर थाने में पुलिसकर्मियों को पिछले 25 वर्षों से भोजन बनाकर खिलाने वाली महिला मीराबाई के बेटे की शादी में थाने के पुलिसकर्मियों ने मायरा भरकर मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की। रविवार शाम थानाधिकारी सहित पुलिसकर्मी पारंपरिक साफा पहनकर ढोल-नगाड़ों के साथ सुंदरवास स्थित मीराबाई के घर पहुंचे। उनके हाथों में नोटों और कपड़ों से सजे थाल थे। घर पहुंचने पर परिवार की ओर से पुलिसकर्मियों का पारंपरिक स्वागत किया गया। थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित ने मीराबाई को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसके बाद पुलिस टीम की ओर से 1 लाख 11 हजार रुपए की राशि फैरावणी के साथ भेंट की गई। इस दौरान मीराबाई भावुक हो गईं। सब इंस्पेक्टर रेणू खोईवाल ने बताया कि मीराबाई पिछले 25 साल से थाने में पुलिसकर्मियों के लिए भोजन बनाती हैं। वे सभी का ध्यान एक मां की तरह रखती हैं और खाना बनने के बाद हर किसी से पूछती हैं कि खाना खाया या नहीं। इसी अपनत्व के कारण थाने के सभी स्टाफ ने मिलकर उनके बेटे की शादी में मायरा भरने का निर्णय लिया। मीराबाई ने बताया कि उन्होंने करीब 25 साल पहले प्रतापनगर थाने में भोजन बनाने का काम शुरू किया था। उस समय उन्हें तीन हजार रुपए वेतन मिलता था, जो अब बढ़कर 11 हजार रुपए हो गया है।

अवैध गैस रिफिलिंग पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 21 घरेलू सिलेंडर व 2 मशीनें जब्त

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 मार्च। घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने शहर में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई स्थानों से सिलेंडर जब्त किए। जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में रसद विभाग और प्रशासन की टीमों ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। जिला रसद अधिकारी प्रथम सुश्री सृष्टि डबास (प्रशिक्षु आईएएस) के निर्देशन में रसद विभाग के सतर्कता दल ने अवैध गैस रिफिलिंग और जमाखोरी के खिलाफ अभियान चलाया। प्रवर्तन निरीक्षक विशेष मीणा, डॉ. हिमानी सिंह सोलंकी और डॉ. कोमल सिंह सोलंकी की टीम ने विनायक वाटिका के सामने उदयपुर–फतहनगर रोड स्थित एक मकान पर जांच की। जांच के दौरान मौके से 21 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। वहीं दो गैस रिफिलिंग मशीनें भी स्थापित पाई गईं, जिनमें से एक मशीन से अवैध रूप से गैस रिफिलिंग की जा रही थी। टीम ने दोनों मशीनों को मौके पर ही जब्त कर लिया। इसी क्रम में प्रवर्तन अधिकारी श्रीमती मानसी पंड्या और प्रवर्तन निरीक्षक डॉ. हिमानी सिंह सोलंकी की टीम ने सूरजपोल क्षेत्र में भी कार्रवाई की। यहां गणेश रेस्टोरेंट के किचन से अवैध रूप से उपयोग में लिए जा रहे चार घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए। वहीं संतोष दालबाटी, सूरजपोल में जांच के दौरान तीन व्यावसायिक गैस सिलेंडर बिना वैध दस्तावेज के पाए जाने पर उन्हें भी मौके पर जब्त कर लिया गया। रसद विभाग की इस कार्रवाई से अवैध गैस रिफिलिंग और जमाखोरी करने वालों में हड़कंप मच गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उदयपुर सर्राफा बाजार भाव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सर्राफा पदाधिकारी इंदरसिंह मेहता के अनुसार सोमवार को स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना-चांदी के भाव इस प्रकार रहे—

चांदी टंच (प्रति किलोग्राम): 99,950
चांदी चौरसा: 98,550
सोना स्टैंडर्ड (999): 1,53,900
सोना जेवराती (23 कैरेट): 1,47,745
सोना (22 कैरेट): 1,41,590

इन भावों पर जीएसटी 3% अतिरिक्त देय रहेगा।

रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा पुनः शुरू करने की माँग, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

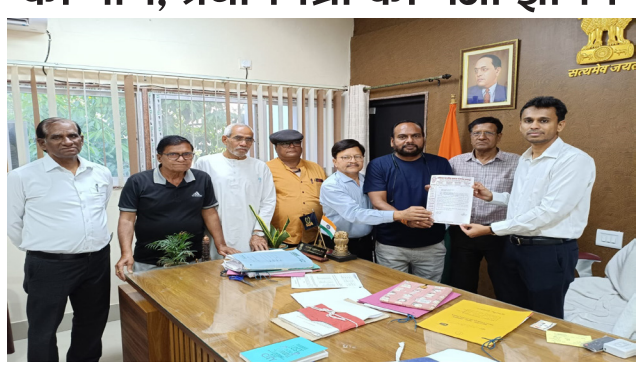

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने पारंपरिक रजिस्टर्ड पोस्ट (रजिस्ट्री) सेवा को पुनः शुरू करने की माँग को लेकर भारत के प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन अक्षय गाड़ेकर, प्रवर अधीक्षक चेतक पोस्ट कार्यालय के माध्यम से भेजा गया। संगठन ने ज्ञापन में बताया कि भारतीय डाक विभाग द्वारा 1 सितंबर 2025 से पारंपरिक रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद कर दी गई है और अब पत्र या डाक केवल स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही भेजी जा रही है। ग्राहक पंचायत के जिला मंत्री नारायण पंचोली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस व्यवस्था से आम उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार बढ़ गया है। पहले रजिस्ट्री के माध्यम से करीब 25 रुपए में पत्र भेजा जा सकता था, जबकि अब स्पीड पोस्ट के जरिए वही डाक भेजने के लिए कम से कम 45 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्पीड पोस्ट की अनिवार्यता से आम जनता में नाराजगी है। संगठन ने भारत सरकार से पारंपरिक रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा को फिर से शुरू करने की माँग करते हुए आम जनता को आर्थिक राहत देने की अपील की है। ज्ञापन देने के दौरान ग्राहक पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल, जिला अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, हरीशंकर तिवारी, करण सिंह कटारिया, फ़तेहलाल पारिक और जयप्रकाश भावसार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पंच परिवर्तन का शंखनादः नवसंवत्सर पर उदयपुर में आस्था, संस्कृति और जागरण का उत्सव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भारतीय नववर्ष केवल कैलेंडर की तिथि बदलने का अवसर नहीं, बल्कि संस्कृति, वैज्ञानिक कालगणना और जीवन मूल्यों के पुनर्जागरण का पर्व है। इसी भाव के साथ उदयपुर में इस वर्ष भारतीय नववर्ष समाजोत्सव समिति "पंच परिवर्तन" के संकल्प के साथ नवसंवत्सर उत्सव मनाने जा रही है। 18 से 22 मार्च तक पांच दिनों तक शहर धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों की श्रृंखला से सराबोर रहेगा। समिति के संरक्षक प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस बार नववर्ष उत्सव को "पंच परिवर्तन" के विचार से जोड़ा गया है। इसके अंतर्गत स्व का भाव, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, कुटुंब प्रबोधन और नागरिक कर्तव्य जैसे पांच मूल्यों को समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है, ताकि संस्कृति के साथ सामाजिक जागरण का संदेश भी फैल सके। समिति के संयोजक डॉ. परमवीर सिंह दुलावत ने बताया कि उदयपुर में पिछले चार वर्षों से सर्व समाज की भागीदारी से भारतीय नववर्ष उत्सव मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी पांच दिवसीय कार्यक्रमों की शुरुआत 18 मार्च को भगवा चारपहिया वाहन रैली से होगी, जो महाकाल मंदिर से प्रारंभ होकर चेतक सर्कल, पंचवटी, सुखाड़िया सर्कल, फतहपुरा, भुवाणा बायपास, सुखेर चौराहा, मेवाड़ सर्कल, आयड़ पुलिया, विवेकानंद चौराहा, हाड़ी रानी चौराहा और सवीना होते हुए सब-सिटी सेंटर पर संपन्न होगी। 19 मार्च को शहर की 73 बस्तियों के

प्रमुख मंदिरों में महाआरती, गंगा आरती और हनुमान चालीसा पाठ जैसे धार्मिक आयोजन होंगे। 20 मार्च को सिंधी समाज के चेटीचंड पर्व की शोभायात्रा में भी समिति सहभागी बनेगी। वहीं 21 मार्च को बोहरा गणेशजी मंदिर, जगदीश मंदिर, गुरुद्वारा सचखंड दरबार, रामदेव मंदिर, जैन मंदिर सेक्टर-4 और खेड़ा देवी मंदिर सहित कई स्थलों पर शंखनाद और घोष वादन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उत्सव का चरम 22 मार्च को दिखाई देगा, जब भंडारी दर्शक मंडप (गांधी ग्राउंड) से दोपहर 3 बजे भव्य शोभायात्रा निकलेगी। मातृशक्ति मंगल कलश धारण कर मंगलाचार गाएगी और विभिन्न समाजों की लगभग 100 झांकियां, अखाड़े, ध्वज और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां इस यात्रा को भव्य स्वरूप देंगी। शोभायात्रा का समापन टाउन हॉल नगर निगम प्रांगण में होगा, जहां धर्मसभा आयोजित होगी। धर्मसभा में कैलाश टेकरी खमनोर के पीठाधीश ज्ञानानंद सरस्वती महाराज तथा मांकड़ादेव धाम झाड़ोल के पीठाधीश ब्रह्मचारी गुलाबदास महाराज का सानिध्य मिलेगा। सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम में राजस्थानी लोक और हिप-हॉप के अनूठे संगम के लिए प्रसिद्ध अशोक मंडा विश्नोई की प्रस्तुति आकर्षण का केंद्र रहेगी। प्रेस वार्ता में भुवनेश्वरी दीदी मां (कुलम आश्रम, सेगरा धूनी) ने भारतीय कालगणना की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू तिथियां विश्वभर में एक साथ लागू होती हैं, जो इसकी सटीकता को दर्शाती हैं। वहीं ब्रह्मचारी गुरु गुलाबदास महाराज ने युवाओं को गीता और भारतीय धर्मग्रंथों के अध्ययन से जोड़ने का आह्वान किया।

बेणेश्वर धाम में जनजाति गौरव दिवस पर 1902 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण

24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर बेणेश्वर धाम पहुंचे, जहां आयोजित प्रदेश स्तरीय राजस्थानी जनजाति गौरव दिवस कार्यक्रम में उन्होंने डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, सलूंबर और सिरोही जिलों के लिए 1902 करोड़ रुपये के 326 विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से बेणेश्वर धाम स्थित हेलीपेड पर पहुंचे, जहां जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने वाल्मीकि मंदिर और हरि मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा जनजातीय संस्कृति से जुड़ी प्रदर्शनी और महिला स्वयं सहायता समूहों के स्टॉलों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में मेधावी बेटियों को स्कूटी, लखपति दीदियों को टैबलेट तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण के चेक भी वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विकास यात्रा में जनजाति समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। बेणेश्वर धाम लंबे समय तक उपेक्षित रहा, लेकिन अब यहां लगभग 130 करोड़ रुपये की लागत से घाट, सड़क और अन्य सुविधाओं का विकास किया जाएगा। सरकार लघु और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के साथ आदिवासी कला और संस्कृति को संरक्षित करने का भी कार्य कर रही है।

उन्होंने आदिवासी नायक बिरसा मुंडा, संत गोविंद गुरु, वीर कालीबाई सहित जनजातीय वीरों के बलिदान को याद करते हुए कहा कि जनजाति वर्ग के विकास और कल्याण में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। सरकार शिक्षा, वन अधिकार पट्टों, स्वरोजगार और कृषि-पशुपालन से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से जनजातीय समाज को सशक्त बनाने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने बिना नाम लिए कुछ राजनीतिक दलों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग क्षेत्र के युवाओं को भड़काने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि सरकार विकास के माध्यम से जनजाति समाज को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमंत मीणा, सहकारिता मंत्री गौतम दक, धरोहर संरक्षण एवं प्रोन्नति प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, सांसद सीपी जोशी, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया सहित उदयपुर संभाग के कई विधायक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने लोकसभा में नियम 377 के तहत उठाया महालक्ष्मी मिल, ब्यावर को पुनः प्रारम्भ करने का मुद्दा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने लोकसभा में नियम 377 के अंतर्गत महत्वपूर्ण विषय उठाते हुए ब्यावर स्थित ऐतिहासिक महालक्ष्मी मिल को पुनः प्रारम्भ करने की मांग की। उन्होंने सदन के माध्यम से केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वर्ष 1925 में स्थापित यह मिल क्षेत्र के औद्योगिक विकास और रोजगार का प्रमुख आधार रही है।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने कहा कि लगभग 100 वर्ष पुरानी इस मिल के नवीनीकरण का कार्य वर्ष 2008 में प्रारम्भ किया गया था, लेकिन आज तक यह मिल पुनः चालू नहीं हो पाई है, जिससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल पा रहे हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि ब्यावर जिला कपड़ा उद्योग के क्षेत्र में कानपुर, कोलकाता और अहमदाबाद की तरह महत्वपूर्ण स्थान रखने की क्षमता रखता है, और महालक्ष्मी मिल के पुनः शुरू होने से न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ेगा बल्कि पारंपरिक उद्योग को भी नया जीवन मिलेगा। सांसद ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि पारंपरिक औद्योगिक गतिविधियों को सम्मान देते हुए महालक्ष्मी मिल, ब्यावर का शीघ्र नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण कर पुनः प्रारम्भ किया जाए, ताकि क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिले और औद्योगिक विकास को गति मिल सके। श्रीमती मेवाड़ ने कहा कि वे राजसमंद सहित सम्पूर्ण मेवाड़ क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक पुनर्जीवन के मुद्दों को संसद में निरंतर उठाती रहेंगी।

सूर्य के मीन राशि में प्रवेश के साथ शुरू हुआ खरमास, एक माह तक मांगलिक कार्यों पर विराम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ग्रहों के राजा सूर्य के कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करते ही खरमास की शुरुआत हो गई है। इसके चलते लगभग एक माह तक गृह प्रवेश, नामकरण, मुंडन, विवाह और यज्ञोपवीत जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाएंगे। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार सूर्य के मीन राशि में रहने की अवधि को खरमास माना जाता है। इस दौरान विवाह सहित अन्य शुभ संस्कारों के लिए अनुकूल योग नहीं बनते। यह अवधि 13 अप्रैल तक रहेगी। ज्योतिषाचार्य के अनुसार पौराणिक मान्यता है कि जब सूर्य धनु या मीन राशि में प्रवेश करते हैं, उस समय को खरमास कहा जाता है। इस अवधि में सूर्य का प्रभाव अपेक्षाकृत मंद माना जाता है, इसलिए मांगलिक कार्यों से परहेज किया जाता है। हालांकि इस समय भगवान विष्णु की पूजा, दान-पुण्य और धार्मिक अनुष्ठानों का विशेष महत्व माना गया है। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल की शाम लगभग चार बजे सूर्य मीन राशि से निकलकर मेष राशि में प्रवेश करेंगे। इसके बाद पुनः विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो सकेगी। ज्योतिष के अनुसार विवाह के लिए वृष, मिथुन, कन्या, तुला, धनु और मीन लग्न को शुभ माना गया है, जबकि अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, मघा, चित्रा, स्वाति, हस्त, अनुराधा और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र अनुकूल माने जाते हैं। इस वर्ष ज्येष्ठ मास के दो माह रहने से 17 मई से 15 जून तक मलमास रहेगा, जिसमें भी विवाह जैसे मांगलिक कार्य नहीं होंगे। इसके अलावा 29 जुलाई से 25 नवंबर तक चातुर्मास रहेगा। धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में भगवान विष्णु योग निद्रा में रहते हैं, इसलिए मांगलिक कार्यों पर विराम रहता है।

जैन सोशल ग्रुप 'कुटुंब' में गणगौर उत्सव एवं राधे-कृष्ण होली का उल्लासपूर्ण आयोजन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जैन सोशल ग्रुप कुटुंब द्वारा पारंपरिक संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु गणगौर उत्सव एवं राधे-कृष्ण होली का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कुटुंब परिवार की सचिव श्रीमती प्रीति जी मेहता द्वारा स्वागत उद्बोधन से किया गया। इसके पश्चात अध्यक्ष प्रवीण नाहर की अगुवाई में दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का विधिवत प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर समस्त महिलाओं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में गणगौर की सवारी निकाली गई एवं विधि-विधान से गणगौर का पूजन किया गया, जिसने कार्यक्रम में सांस्कृतिक गरिमा और उत्सव का विशेष आकर्षण जोड़ दिया। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण का मनमोहक प्रतिरूप श्री जितेंद्र जी नाहर एवं किरण जी नाहर द्वारा प्रस्तुत किया गया, जो अत्यंत आकर्षक एवं सुंदर रहा। समस्त सदस्यों ने अपनी-अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में समां बांध दिया और पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। होली उत्सव के अंतर्गत कुटुंब परिवार के सभी सदस्यों ने फूलों की मालाओं एवं पुष्पों के साथ पारंपरिक तरीके से होली खेलकर आपसी स्नेह एवं भाईचारे का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यक्रम संयोजक श्रीमती आभा जैन, मीना लोढ़ा एवं सुनीता जैन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में कुटुंब परिवार के सभी दंपति सदस्यों एवं परिवारजनों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही, जिससे आयोजन अत्यंत सफल एवं यादगार बना।

राज्यपाल श्री बागडे मंगलवार को उदयपुर में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 मार्च। प्रदेश के राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे मंगलवार को उदयपुर प्रवास पर रहेंगे। श्री बागडे 11:05 बजे वायुयान द्वारा डबोक एयरपोर्ट पहुंचकर सड़क मार्ग द्वारा जनार्दन राय नगर राजस्थान विद्यापीठ, डबोक कैम्पस के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री बागडे 11:30 बजे वेस्ट जोन वाइस चांसलर मीट- 2025-2026 में हिस्सा लेंगे। इसके पश्चात राज्यपाल सर्किट हाउस उदयपुर आयेंगे। श्री बागडे 4:15 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचकर जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगें। जिला कलेक्टर नमित मेहता ने राज्यपाल महोदय के यात्रा कार्यक्रम के मद्देनजर सभी सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

एलपीजी गैस आपूर्ति, भंडारण व वितरण की समीक्षा बैठक आयोजित

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़, 16 मार्च। माननीय मुख्य सचिव द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना में जिले में एलपीजी गैस की आपूर्ति, भंडारण एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा हेतु बैठक जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिला स्तर पर गठित जिला सतर्कता समिति के सदस्य अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन), अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू-अवाप्ति), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला रसद अधिकारी तथा ऑयल कंपनी के नोडल अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जिन गैस एजेंसियों पर अचानक बुकिंग एवं आपूर्ति में वृद्धि हुई है, उन एजेंसियों तथा संबंधित वितरण क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति स्वीकृत क्षेत्रों में निर्बाध रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि उपखण्ड स्तर पर गठित सतर्कता समितियों द्वारा अधिक से अधिक संयुक्त निरीक्षण किए जाएं तथा ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित किया जाए जहां गैस का अवैध भंडारण, अवैध रिफिलिंग या कालाबाजारी की आशंका हो। ऐसे मामलों में संबंधितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के दौरान ऑयल कंपनी के समन्वयक विवेक कुमार ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में लगभग 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन के अंतराल पर गैस बुकिंग की जा रही है और जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के स्टॉक में किसी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि बुकिंग के बाद ओटीपी प्राप्त कर दो दिन के भीतर घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति सुचारू रूप से की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि चित्तौड़गढ़ जिले में वर्तमान में कुल 28 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनके माध्यम से 3 लाख 85 हजार 680 सक्रिय घरेलू गैस कनेक्शन हैं। वर्तमान में जिले में 10 हजार 790 घरेलू गैस सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। व्यावसायिक 19 किलोग्राम गैस सिलेंडर की आपूर्ति उपलब्धता के आधार पर की जाएगी। एलपीजी गैस से संबंधित किसी भी शिकायत के लिए आमजन जिला प्रशासन कंट्रोल नंबर 01472-240951, खाद्य विभाग हेल्पलाइन 1445 तथा पुलिस कंट्रोल नंबर 112 पर संपर्क कर सकते हैं।

उदयपुर में कल से वेस्ट जोन वाइस चांसलर्स सम्मेलन, राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े करेंगे उद्घाटन, 150 से अधिक कुलपति जुटेंगे, स्वदेशी सोच व तकनीकी राष्ट्रवाद पर होगा मंथन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 मार्च। देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था को स्वदेशी सोच, आर्थिक राष्ट्रवाद और तकनीकी आत्मनिर्भरता के साथ नई दिशा देने के उद्देश्य से उदयपुर में 17 और 18 मार्च को दो दिवसीय वेस्ट जोन वाइस चांसलर्स सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मेलन एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) और जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में डबोक स्थित विद्यापीठ के कृषि महाविद्यालय सभागार में होगा। सम्मेलन का उद्घाटन मंगलवार सुबह 10.30 बजे राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े करेंगे। कार्यक्रम में लोक निर्माण, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, प्रधानमंत्री के वित्तीय सलाहकार प्रो. गौरव वल्लभ, एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल और विद्यापीठ के कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। सम्मेलन की अध्यक्षता एआईयू के अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक करेंगे।

150 से अधिक कुलपति होंगे शामिल

विद्यापीठ के कुलपति प्रो. (मानद कर्नल) शिवसिंह सारंगदेवोत ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य विषय "स्वदेशी, आर्थिक देशभक्ति और तकनीकी राष्ट्रवाद के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत" रखा गया है। इसमें राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना सहित पश्चिमी भारत के 150 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति ऑफलाइन तथा बड़ी संख्या में शिक्षाविद ऑनलाइन भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि विद्यापीठ के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर का वाइस चांसलर्स सम्मेलन आयोजित हो रहा है, जिसमें विश्वविद्यालयों की भूमिका, स्वदेशी नवाचार, तकनीकी क्षमता के विकास और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर गहन चर्चा होगी। देशभर से आने वाले प्रतिनिधियों का स्वागत राजस्थानी परंपरा और पारंपरिक आतिथ्य के साथ किया जाएगा।

एआईयू के शताब्दी वर्ष पर विशेष व्याख्यान

सम्मेलन के दौरान एआईयू के शताब्दी वर्ष के अवसर पर विशेष व्याख्यान भी होंगे। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा भारतीय शिक्षा और राष्ट्र निर्माण पर विचार रखेंगे, जबकि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी स्वदेशी शिक्षा दर्शन पर व्याख्यान देंगे।

स्वदेशी शिक्षा और तकनीक पर तकनीकी सत्र

सम्मेलन में कई तकनीकी सत्र आयोजित होंगे। पहले सत्र में स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा व्यवस्था के पुनर्गठन पर चर्चा होगी, जबकि दूसरे सत्र में स्वदेशी तकनीकों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा विषय पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इन सत्रों में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल आधारित शिक्षा, स्टार्टअप इकोसिस्टम और उद्योग–विश्वविद्यालय साझेदारी जैसे विषयों पर अपने विचार रखेंगे।

उद्योग–विश्वविद्यालय संवाद भी होगा

पहले दिन शाम को एडटेक कंपनियों और विश्वविद्यालयों के बीच विशेष संवाद सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन शिक्षण और नई तकनीकों के उपयोग पर चर्चा होगी। इसके बाद सदस्य विश्वविद्यालय अपनी श्रेष्ठ शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का प्रदर्शन करेंगे। दिन का समापन सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रिभोज के साथ होगा।

समापन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष होंगे मुख्य अतिथि सम्मेलन का समापन 18 मार्च को होगा।

समापन सत्र में राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस दौरान "आर्थिक देशभक्ति से आर्थिक स्वदेशीकरण" विषय पर विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति आर्थिक राष्ट्रवाद और स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर विचार रखेंगे।

एआईयू : उच्च शिक्षा का राष्ट्रीय मंच

गौरतलब है कि वर्ष 1925 में स्थापित एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज देश की प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थाओं में से एक है, जो उच्च शिक्षा नीति, शोध, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा विश्वविद्यालयों और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करती है। वर्तमान में भारत और विदेशों के मिलाकर लगभग 1150 विश्वविद्यालय एआईयू से जुड़े हुए हैं।

राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती 2025
रिक्त रहे पदों के लिए संशोधित चयन सूची जारी
18 मार्च को होगा दस्तावेज सत्यापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 16 मार्च। कमाण्डेन्ट मेवाड़ भील कोर (एमबीसी), खेरवाड़ा द्वारा राजस्थान पुलिस कांस्टेबल भर्ती वर्ष 2025 (टीएसपी क्षेत्र) के रिक्त पदों को भरने के लिए संशोधित चयन सूची जारी कर दी गई है। यह सूची उन पदों के लिए है जो पूर्व में चयनित अभ्यर्थियों के कार्यभार न संभालने या अन्यत्र चयन होने के कारण खाली रह गए थे। कमाण्डेंट निरंजन चारण ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा गठित रिव्यू बोर्ड की सिफारिशों के बाद, कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी) के पद पर दो अभ्यर्थियों अजय कुमार गरासिया पिता श्री ईश्वर लाल गरासिया तथा पिंटा राम गरासिया पिता श्री लासाराम गरासिया का चयन किया गया है। इन अभ्यर्थियों का चयन 13 और 14 सितंबर 2025 को आयोजित लिखित परीक्षा और 10 दिसंबर 2025 को महाराणा भूपाल स्टेडियम, उदयपुर में आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा के आधार पर किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को सूचित किया गया है कि वे अपने सभी मूल दस्तावेजों और उनकी स्वयं प्रमाणित फोटोकॉपी के साथ 18 मार्च 2026 को सुबह 9.30 बजे मेवाड़ भील कोर, खेरवाड़ा के कार्यालय में उपस्थित हों। अभ्यर्थियों को अपने साथ शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र और जन्म तिथि प्रमाण पत्र, मूल निवास और जाति प्रमाण पत्र, अंतिम शिक्षण संस्थान और दो राजपत्रित अधिकारियों द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), दहेज नहीं लेने, दो से अधिक संतान नहीं होने और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त नहीं होने संबंधी शपथ पत्र, धूम्रपान/तंबाकू सेवन न करने का शपथ पत्र और 10 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, पहचान पत्र और विशेष योग्यता प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज लाने होंगे। निर्धारित समय और तिथि पर उपस्थित नहीं होने वाले अभ्यर्थियों का चयन निरस्त माना जाएगा। इसके साथ ही, उपस्थित होने के लिए कोई यात्रा भत्ता या मानदेय देय नहीं होगा। अभ्यर्थियों के बायोमेट्रिक सत्यापन और स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में अलग से सूचित किया जाएगा।

आचार्य पुलक सागरजी महाराज ससंघ का पाडवा में प्रवेश कल

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। दिगम्बर जैनाचार्य राष्ट्र सन्त आचार्य पुलक सागरजी महाराज ससंघ का पाडवा मे 17 मार्च मंगलवार को प्रातः प्रवेश होगा। समाज के प्रतिष्ठाचार्य पंडित विनोद उर्फ विरल पगारिया ने बताया कि आचार्य संघ ने सोमवार को सांय विमलनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पुनर्वास कॉलोनी से पद विहार कर भीमदडी गांव मे रात्रि विश्राम किया वही मंगलवार को प्रातः पद विहार कर पाडवा मे मंगल प्रवेश करेंगे। पाडवा जैन समाज के अध्यक्ष जिग्नेश फलेजिया ने बताया कि आचार्य संघ की पाडवा बस स्टेंड पर सकल समाज द्वारा बैण्ड बाजों के साथ अगवानी की जाएगी जहा से शोभायात्रा के साथ आचार्य संघ द्वारा संभवनाथ जिनालय तथा महावीर स्वामी जिनालय के दर्शन कर आयोजित धर्म सभा मे आर्शीवचन होगा व संघ की आहार चर्या सम्पन्न होगी।

"स्क्रीन टाइम से एक्टिविटी टाइम" सहित विभिन्न राष्ट्रीय अभियानों को लेकर अभाविप सक्रिय, राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. विरेन्द्र सिंह सोलंकी का चित्तौड़ प्रांत प्रवास प्रारंभ

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर/कोटा। देशभर के विश्वविद्यालय और महाविद्यालय परिसरों में विद्यार्थियों के जीवन को अधिक सक्रिय, जागरूक और राष्ट्रोन्मुख बनाने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने कई राष्ट्रीय स्तर के अभियान शुरू किए हैं। इन अभियानों के माध्यम से परिषद विद्यार्थियों को डिजिटल निर्भरता से बाहर निकालकर रचनात्मक गतिविधियों, अध्ययन, खेलकूद और सामाजिक सहभागिता की ओर प्रेरित करने का प्रयास कर रही है। इन कार्यक्रमों को गति देने के लिए परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. विरेन्द्र सिंह सोलंकी का चित्तौड़ प्रांत का प्रवास सोमवार से प्रारंभ हुआ है, जो 23 मार्च तक चलेगा।

स्क्रीन टाइम से एक्टिविटी टाइम की पहल

अभाविप द्वारा देशभर में चलाया जा रहा "स्क्रीन टाइम से एक्टिविटी टाइम" अभियान विद्यार्थियों के बीच तेजी से चर्चा में है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को मोबाइल और डिजिटल उपकरणों पर अत्यधिक समय व्यतीत करने की प्रवृत्ति से दूर कर उन्हें खेलकूद, पुस्तक पठन, विचार-विमर्श, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय बनाना है। परिषद के अनुसार इस अभियान के माध्यम से महाविद्यालय परिसरों में स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक छात्र वातावरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

छात्रावासों की स्थितियों का राष्ट्रीय सर्वे

इसी क्रम में परिषद ने देशभर के छात्रावासों की स्थिति का व्यापक अध्ययन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर छात्रावास सर्वेक्षण अभियान भी शुरू किया है। तीन चरणों में संचालित होने वाले इस सर्वे में सरकारी, निजी और विश्वविद्यालयों से जुड़े छात्रावासों की व्यवस्थाओं का आकलन किया जाएगा। इसमें मूलभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, भोजन की गुणवत्ता, अध्ययन के अनुकूल वातावरण और अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा कर विद्यार्थियों की समस्याओं को चिन्हित किया जाएगा, ताकि प्रशासन और सरकार के समक्ष ठोस सुझाव प्रस्तुत किए जा सकें।

राष्ट्रीय चेतना से जुड़े सांस्कृतिक अभियान

अभाविप द्वारा इस वर्ष कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रसंगों को भी विद्यार्थी जागरूकता अभियानों से जोड़ा गया है। राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के सार्ध शताब्दी वर्ष के अवसर पर 23 से 31 मार्च के बीच देशभर के शैक्षणिक परिसरों में "परिसर-परिसर वंदेमातरम्" कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक वंदेमातरम् गान किया जाएगा। इसके साथ ही कई ऐतिहासिक व्यक्तित्वों और घटनाओं की स्मृति में भी कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। इनमें महारानी अबक्का की 500वीं जयंती, भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती तथा गुरु तेग बहादुर के 350वें बलिदान वर्ष के अवसर पर देशभर के परिसरों में संगोष्ठी, व्याख्यान, प्रदर्शनी और संवाद कार्यक्रम होंगे। वहीं राजस्थान में हल्दीघाटी युद्ध के 450 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में "हल्दीघाटी गौरव ज्ञान परीक्षा" का आयोजन किया जाएगा, जिसमें लगभग एक लाख विद्यार्थियों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है।

संगठनात्मक गतिविधियों को मिलेगी गति

अभाविप चित्तौड़ प्रांत के प्रांत सह मंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर के इन अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. विरेन्द्र सिंह सोलंकी का आठ दिवसीय प्रवास 16 मार्च से शुरू हुआ है। इस दौरान वे उदयपुर सहित प्रांत के विभिन्न जिलों में कार्यकर्ताओं की बैठकें लेंगे, विश्वविद्यालय परिसरों का दौरा करेंगे और विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रमों में भाग लेंगे। प्रवास का समापन 23 मार्च को कोटा में होगा।

राष्ट्रनिर्माण में विद्यार्थियों की भूमिका अहम

राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. विरेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल छात्र समस्याओं के समाधान तक सीमित संगठन नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों में राष्ट्रचेतना, सामाजिक उत्तरदायित्व और सकारात्मक जीवन मूल्यों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। परिषद द्वारा चलाए जा रहे अभियान विद्यार्थियों को सक्रिय, जागरूक और राष्ट्रनिर्माण में सहभागी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

कृषि विश्वविद्यालयों में पेंशन समस्या के स्थायी समाधान की मांग, 139 वरिष्ठ पेंशनर्स का सम्मान

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में पेंशनधारक कल्याण सोसायटी के वार्षिक अधिवेशन तथा वरिष्ठ पेंशनधारक सम्मान समारोह में राजस्थान के कृषि विश्वविद्यालयों में लंबे समय से लंबित पेंशन समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठाई गई। राजस्थान कृषि महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 450 से अधिक सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर के कुलपति डॉ. आर. बी. दुबे ने कहा कि राजस्थान के पांचों कृषि विश्वविद्यालय—उदयपुर, बीकानेर, जोधपुर, कोटा और बांदीकुई—यदि एक मंच पर आकर राज्य सरकार के समक्ष ठोस प्रस्ताव रखें तो पेंशन समस्या का स्थायी समाधान संभव है। उन्होंने बताया कि कुलपति पद संभालते समय विश्वविद्यालय में तीन माह की पेंशन बकाया थी, जिसे प्राथमिकता देते हुए चार दिनों में जारी कराया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के कुलपति डॉ. प्रताप सिंह धाकड़ ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों के सामने पेंशन भुगतान एक बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर पांचों कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और पेंशनधारक सोसायटी के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक जल्द आयोजित कर राज्य सरकार को प्रतिवेदन सौंपा जाएगा। सोसायटी अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र कुमार भटनागर ने बताया कि वर्तमान में पेंशन भुगतान के लिए उदयपुर नगर विकास प्राधिकरण प्रतिमाह लगभग पाँच करोड़ रुपये उपलब्ध करा रहा है, जबकि विश्वविद्यालय अपने संसाधनों से लगभग डेढ़ करोड़ रुपये जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था अस्थायी है, इसलिए राज्य सरकार से स्थायी वित्तीय व्यवस्था की मांग की जा रही है।

सोसायटी के प्रवक्ता वीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि संस्था वर्ष 2008 से सक्रिय है और विश्वविद्यालय के 1461 पेंशनधारकों का प्रतिनिधित्व करती है।

पूर्व विशेषाधिकारी डॉ. सुभाष भार्गव ने कहा कि पेंशन कर्मचारी का वैधानिक और नैतिक अधिकार है तथा सेवा नियमों के अनुसार यह जीवनभर की सेवा का प्रतिफल है। कार्यक्रम में 70, 75, 80 और 85 वर्ष से अधिक आयु के 139 वरिष्ठ पेंशनधारकों को मेवाड़ी पाग, उपरना, शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सोसायटी के कोषाध्यक्ष देवीलाल तेली ने बताया कि वित्तीय अनुशासन के कारण सोसायटी की कुल चल-अचल संपत्ति बढ़कर 40 लाख 27 हजार 229 रुपये हो गई है।

अधिवेशन में कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़, जयपुर, अजमेर, जोधपुर, सिरोही, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, राजसमंद, प्रतापगढ़, सलूम्बर और उदयपुर सहित कई जिलों में रहने वाले पेंशनधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गायत्री तिवारी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन सोसायटी के महामंत्री आर. के. राजपूत ने दिया। आयोजन में पूर्व कुलपति डॉ. उमाशंकर शर्मा, डॉ. प्रकाशचंद्र कंठालिया, आर. पी. शर्मा, गणेशलाल पालीवाल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।